MP Board Class 7th Hindi Bhasha Bharti Notes Chapter 15 छोटा जादूगर

छोटा जादूगर परीक्षोपयोगी गद्यांशों की व्याख्या

1. कार्निवाल के मैदान में बिजली जगमगा रही थी। मैं
खड़ा था फव्वारे के पास, जहाँ एक लड़का चुपचाप शरबत पीने वालों को देख रहा था। उसके गले में फटे करते के ऊपर से एक मोटी-सी सूत की रस्सी पड़ी थी और जेब में कुछ ताश के पत्ते थे। उसके मुख पर गम्भीर विषाद के साथ धैर्य की रेखाएँ थीं। मैं उसकी ओर न जाने क्यों आकर्षित हुआ।

सन्दर्भ-प्रस्तुत गद्यांश 'खेटा जादूगर' नामक कहानी से लिया गया है। इसके लेखक जयशंकर प्रसाद हैं।

प्रसंग-छोटा जादूगर का वर्णन कहानीकार ने वास्तविक – रूप में प्रस्तुत किया है।

व्याख्या-लेखक कहता है कि कलकत्ता के कार्निवाल नामक मैदान में बिजली का उजाला चारों ओर फैला हुआ था। चारों ओर बिजली की चकाचौंध थी। लेखक भी स्वयं वहाँ फब्बारे के पास खड़ा हुआ था। यहीं पर पास में ही एक चौदह-पन्द्रह वर्षका लड़का भा खड़ा था जो चुपचाप उन लागा को देख रहा था जो शरबत पी रहे थे। वह लड़का एक कुरता पहने हुए था। यह कुरता फटा हुआ था। उसने अपनी गरदन में कुरते के ऊपर सूत की एक मोटी रस्सी डाली हुई थी। उसकी जेब में कुछ ताश के पत्ते थे। उसके चेहरे से पता चलता था कि वह बहुत अधिक दु:खी है, परन्तु वह धैर्यवान था। लेखक स्वयं । नहीं जान पा रहा है कि वह उस लड़के की और क्यों आकर्षित हो गया है।

2. कलकत्ता के सुरम्य बॉटेनिकल उद्यान में लाल
कमलिनी से भरी हुई एक छोटी झील के किनारे घने वृक्षों
की छाया में अपनी मण्डली के साथ बैठा हुआ मैं जलपान
कर रहा था। इतने में वही छोटा जादूगर दिखाई पड़ा।

सन्दर्भ-पूर्व की तरह।

प्रसंग-सुन्दर बॉटनिकल उद्यान में छोटे जादूगर से लेखक । की मुलाकात का वर्णन किया गया है।

व्याख्या-कलकत्ता में बॉटनिकल उद्यान है। वह अति – रमणीक है, सुन्दर है। उस उद्यान में (बगीचे में) एक छोटी-सी झील है। वह पानी से भरी हुई है। उसमें कमलिनी की लताएँ हैं। वह लाल कमलिनी है। इसी झील के किनारे अनेक घने छायादार पेड़-पौधे खड़े हैं। उन पेड़ों की छाया में लेखक भी अपने मित्रों के साथ बैठा हुआ था। वे सभी जलपान (नाश्ता) कर रहे थे। तभी वहाँ वही लड़का जो चौदह-पन्द्रह वर्ष का था, दिखाई दिया। लेखक उसे छोटा जादूगर के नाम से पुकारता है।

शब्दकोश

विषाद = कष्ट, पीड़ा; तमाशा = खेल (मनोरंजन के लिए), दृश्य; जलपान = नाश्ता, कलेवा; अविचल = अचल, स्थिर; धैर्य-आश्चर्यचकित, संज्ञाहीन; तिरस्कार = अपमान; उद्यान = बगीचा, उपवन; स्तब्ध = संज्ञाहीन, आश्चर्यचकित; प्रगल्भता = चतुराई से साहसपूर्वक बोलना; पथ्य = रोगी को दिए जाने वाला भोजन; वाचालता =

अधिक बोलना; उज्ज्वल = चमकीला, कान्तिवान; गर्व = घमण्ड, गौरव की भावना, । अभिमान; बॉटेनिकल = वनस्पति से सम्बन्धित; जीविका = रोजी-रोटी, जीवन-यापन करने का साधन; समग्र – सम्पूर्ण, पूरा।

https://www.evidyarthi.in/